Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त) सोमवार 12 अक्टूबर 2026

■वर्ष : 01 ■अंक : 01 ■अलीगढ़, सोमवार 12 अक्टूबर 2026■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

अलीगढ़: आज स्कूल रहेंगे बंद

सुबह मौसम बिगड़ते ही आया छुट्टी का संदेश, बच्चों के खिले चेहरे

सूचना विभाग द्वारा जारी संदेश के अनुसार जिला विद्यालय निरीक्षक ने आदेश जारी किया है कि जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में कक्षा 8 तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों में आज 12 अक्तूबर को शिक्षण कार्य स्थगित रहेंगे।अलीगढ़ में सुबह से काले बादल और बारिश के बीच आज स्कूलों में छुट्टी का संदेश देखते ही अभिभावक से ज्यादा बच्चे खुश हो गए। बीएसए ने कक्षा आठ तक के सभी बोर्ड के स्कूलों को आज बंद रखने का संदेश जारी किया। सूचना विभाग द्वारा जारी संदेश के अनुसार जिला विद्यालय निरीक्षक ने आदेश जारी किया है कि जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में कक्षा 8 तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों में आज 12 अक्तूबर को शिक्षण कार्य स्थगित रहेंगे। अतः सभी प्रधानाध्यक/प्रधानाचार्य अपने स्कूल ग्रुप और अन्य माध्यम से कक्षा 8 तक के छात्रों को शीघ्र ही सूचित करें कि उन्हें आज विद्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। प्रदत्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

यूपी: प्रदेश के साठ हजार ग्राम प्रहरियों का बढ़ेगा एक हजार रुपये का मानदेय

Salary of Village Guards: यूपी में रीब 60 हजार ग्राम प्रहरियों (ग्राम चौकीदार) का मासिक मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 रुपये करने जा रही है। मंगलवार को सीएम इसकी घोषणा करेंगे। प्रदेश सरकार करीब 60 हजार ग्राम प्रहरियों (ग्राम चौकीदार) का मासिक मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 रुपये करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 13 अक्तूबर को बरेली पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित करने के साथ इसकी घोषणा करेंगे। मानदेय में 40 प्रतिशत वृद्धि से हर ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। गृह विभाग से जुड़े ग्राम प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों, आपसी विवादों और कानून-व्यवस्था से संबंधित सूचनाएं पुलिस तक पहुंचाते हैं।वे लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे और राजधानी में कई दिनों से धरना दे रहे थे।सरकार वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांगजन पेंशन 1000 से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति क बाद नवंबर में प्रस्ताव कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इससे 67 लाख से अधिक बुजुर्गों, 42 लाख से अधिक निराश्रित महिलाओं और 12 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को लाभ मिल सकता है।

आगरा में बन रहा नया बाईपास, इन 6 गांवों की जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक

आगरा में कुबेरपुर से टूंडला के बीच 900 करोड़ रुपये की लागत से 16 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड बाईपास प्रस्तावित है। परियोजना के लिए चिह्नित छह गांवों की प्रभावित जमीनों की खरीद-बिक्री, भू-उपयोग और भूमि की प्रकृति में बदलाव पर रोक लगाने के लिए एनएचएआई ने जिलाधिकारी को पत्र भेजा है।आगरा-टूंडला के व्यस्त चौराहों और घनी आबादी वाले इलाकों से गुजरने के कारण अक्सर हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग जाती हैं। इसी के चलते कुबेरपुर से टूंडला के बीच 16 किलोमीटर लंबा बाईपास बनाया जाएगा। लगभग 900 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बाईपास का प्राथमिक सर्वे पूरा कर लिया गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। परियोजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से भूमि अधिग्रहण संबंधी गजट नोटिफिकेशन जल्द ही जारी होने की संभावना है। इसके बनने से जाम से निजात मिलेगी। गंतव्य तक पहुंचने में कम समय लगेगा।

लखनऊ–रियाद उड़ानों पर असर

लखनऊ–रियाद उड़ानों पर असर पड़ा है। फ्लाइनास की सेवाएं प्रभावित चल रही हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वह एयरपोर्ट रवाना होने से पहले स्थिति जांच लें। आगे पढ़ें पूरी खबर...लखनऊ से सऊदी अरब की राजधानी रियाद के लिए संचालित उड़ानों पर 11 अक्तूबर 2026 से असर पड़ा है। फ्लाइनास (Flynas) की उड़ान संख्या XY334 और XY320 का परिचालन प्रभावित होने की जानकारी ।यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले संबंधित एयरलाइन से अपनी उड़ान की स्थिति की पुष्टि कर लें, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।उड़ानों के दोबारा परिचालन और समय-सारिणी में बदलाव से संबंधित जानकारी एयरलाइन की आधिकारिक सूचना के आधार पर साझा की जाएगी। यात्रियों को सलाह है कि वे फ्लाइनास के आधिकारिक माध्यमों से उड़ान की ताजा स्थिति की जानकारी लेते रहें। यात्रा से पहले अपने टिकट से जुड़ी जानकारी की पुष्टि कर लें।

आजमगढ़ में बोले ओवैसी, 80% बनाम 20% नहीं; अब 99% बनाम 1% की होगी लड़ाई

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गरीबी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने यूपी सरकार के 2024-25 के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि गरीबों की संख्या के मामले में आजमगढ़ प्रदेश में चौथे स्थान पर है।

ओवैसी ने कहा कि आने वाली लड़ाई 80% बनाम 20% नहीं, बल्कि 99% बनाम 1% की होगी।आजमगढ़ में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में गरीबी के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगे होने वाली लड़ाई 80 प्रतिशत बनाम 20 प्रतिशत की नहीं, बल्कि 99 प्रतिशत बनाम एक प्रतिशत की होगी। ओवैसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक प्रतिशत लोगों के साथ खड़े हैं, जबकि वह 99 प्रतिशत लोगों के साथ हैं।ओवैसी ने अपने बयान में उत्तर प्रदेश सरकार के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग के आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के जिलों में सबसे अधिक गरीब लोगों की संख्या के मामले में आजमगढ़ चौथे स्थान पर है।

बारिश का कहर मंडियों पर पहुंचा धान भीगा

खैर में सोमवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश से खैर कृषि उत्पादन मंडी समिति में धान की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। हरदुआगंज उप मंडी में हुई बारिश से खुले में रखा हजारों कुंतल धान भीग गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बावजूद धान को बचाने के कोई इंतजाम मंडी स्थल पर नहीं थे।सोमवार सुबह 6.30 बजे अलीगढ़ जनपद में काले बादल घिर आए और जमकर बारिश हुई। जनपद की धनीपुर, हरदुआगंज, छर्रा, अतरौली, इगलास, खैर और गभाना पर पहुंचा धान भीगने से खराब हो गया, बताया जा रहा है कि जिससे किसानों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। जिनके धान अभी नहीं बिके, बारिश ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया। किसानों के माथे पर चिंता की लहर साफ दिखी।खैर में सोमवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश से खैर कृषि उत्पादन मंडी समिति में धान की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। पूर्व मंडी अध्यक्ष हमबीर सिंह के अनुसार, इस नुकसान की अनुमानित लागत करीब 10 करोड़ रुपये है। बारिश के कारण खुले में रखे धान के भीगने से किसानों और व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।रविवार को मंडी में करीब 2.50 लाख धान के कट्टे पहुंचे थे। इनमें से सोमवार सुबह तक लगभग 10 फीसदी धान की उतराई और सौदे की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। हमबीर सिंह ने भीगे धान में करीब 20 फीसदी तक नुकसान की आशंका जताई है। सोमवार सुबह मंडी में व्यापारी और पल्लेदार बोरों में भरे भीगे धान को संभालने में जुटे दिखाई दिए। सोमवार को मंडी का गेट बंद होने से कई किसान बाहर ही खड़े रह गए थे। उनका धान बारिश में पूरी तरह भीग गया, जिससे आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ी। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने में भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भीगे धान की गुणवत्ता प्रभावित होने और उचित भाव नहीं मिलने की आशंका भी बनी हुई है।सोमवार और मंगलवार को आधिकारिक अवकाश घोषित किया गया है। बुधवार को भी खैर कृषि उत्पादन मंडी समिति का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। ऐसे में लगातार तीन दिन मंडी बंद रहने से किसानों की परेशानी बढ़ेगी। उन्हें उपज बेचने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। भीगे धान की गुणवत्ता पर असर से उचित दाम नहीं मिलेंगे।बेमौसम बारिश का असर केवल मंडी में रखे धान तक सीमित नहीं है।।

सीएम योगी के दौरे के संभावित मार्ग किए जा रहे दुरुस्त

बरेली में मंगलवार को सीएम योगी का दौरा प्रस्तावित है। इसे लेकर प्रशासन और नगर निगम उन मार्गों को दुरुस्त करा रहा है, जहां से सीएम का काफिला गुजरेगा, लेकिन शहर के अन्य प्रमुख मार्ग गड्ढों और बदहाली का शिकार हैं। इससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंगलवार को प्रस्तावित दौरे से पहले प्रशासन और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। मुख्यमंत्री के संभावित मार्ग की सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। इसके विपरीत शहर के अन्य प्रमुख मार्ग गड्ढों और बदहाली का शिकार हैं। इससे जनता को परेशानी हो रही है।मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के तहत उनका काफिला पुलिस लाइन से चौकी चौराहा, गांधी उद्यान और विकास भवन होते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल बरेली कॉलेज मैदान तक पहुंचेगा। इस मार्ग पर व्यवस्थाएं चाकचौबंद की जा रही हैं।वहीं, शहर की कई सड़कें सीवर और पाइपलाइन योजनाओं के कारण खोदी गई हैं। कुछ सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। सीएम ग्रिड के काम से भारत सेवा ट्रस्ट और नैनीताल रोड की हालत बेहद खराब है। इनपर गुजरने वाले लोगों ने बदहाल हुईं सड़कों की मरम्मत की मांग की है।शहर के पॉश इलाकों में शुमार सिविल लाइंस की स्थिति भी कमोवेश ऐसी ही है, जहां सुबह से देर रात तक भारी वाहनों का दबाव रहता है। यहां की नावल्टी चौराहा रोड को 15वें वित्त आयोग के तहत बनवाया गया था, लेकिन महज एक साल के भीतर ही हनुमान मंदिर के सामने यह सड़क कई बार उखड़ चुकी है। हालांकि शुक्रवार को यहां पैचवर्क किया गया था, लेकिन पानी की लाइन में लीकेज होने के कारण सड़क लगातार बैठ रही है और गड्ढे हो गए हैं।यही हाल शहर के व्यस्त इलाकों में आने वाली रामपुर रोड का भी है। यहां पानी की पाइपलाइन फटने के बाद महीनों बीत जाने के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है, जिसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं और लोगों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रामपुर रोड की पुरानी पाइपलाइन जर्जर हो चुकी है, जो बार-बार टूट जाती है और दो महीने से अधिक समय से खराब पड़े इस मार्ग की सुध लेने वाला कोई नहीं है। धर्मकांटा से कोहाड़ापीर रोड की हालत भी काफी दयनीय है।रामपुर रोड पर मिनी बाइपास के पास सड़क पर करीब दो फुट गहरा गड्ढा हो गया है। इस कारण वाहन वहां से धीमी रफ्तार में निकलते है। कई बार गड्ढे में ई-रिक्शा पलट चुका है, लेकिन उसके बाद भी इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। गड्ढा हुए दो माह बीतने पर भी स्थायी मरम्मत नहीं की गई। बरसात से पहले यहां पर बजरी डलवाई गई थी लेकिन बारिश में वह बह गई।

ओवैसी का सरकार पर हमला:

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़ा कानून रद्द हो,

असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने मांग रखी कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़ा कानून रद्द हो। साथ ही एसआईआर भी खत्म किया जाए। आगे पढ़ें पूरी खबर.एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मामले और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को रद्द करने की मांग की। कहा कि इस कानून से चुनाव आयोग की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। नियुक्ति प्रक्रिया में प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल करना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि जब यह विधेयक लोकसभा में पेश किया गया था, तभी उन्होंने चेतावनी दी थी कि इसके प्रावधानों से भारतीय जनता के बीच चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कम होगी। आरोप लगाया कि कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को सेवानिवृत्ति के बाद कानूनी सुरक्षा देने का प्रावधान किया गया है।

एसआईआर पर भी उठाए सवाल

एसआईआर पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि आखिर यह प्रक्रिया कहां से आई। उन्होंने दावा किया कि 10 करोड़ नाम हटाए जा चुके हैं। इसके बावजूद फॉर्म-6 के आवेदनों की प्रक्रिया के दौरान आवेदकों की मैपिंग पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर को भी बंद करने की मांग की।

INDIA ब्लॉक के प्रदर्शन पर बोले- मैं इसका हिस्सा नहीं

INDIA ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन को लेकर ओवैसी ने कहा कि विरोध करना हर नागरिक का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट भी इस अधिकार की बात कह चुका है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह INDIA ब्लॉक का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए उसके कार्यक्रम पर टिप्पणी नहीं कर सकते।

सीजेआई से मुलाकात पर उठाया शक्तियों के बंटवारे का सवाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात करने की INDIA ब्लॉक की पहल पर ओवैसी ने कहा कि सांसद होने के नाते वे कार्य पालिका का हिस्सा नहीं हैं। यदि उन्हें कोई शिकायत है, तो वह प्रधानमंत्री से है। उन्होंने सवाल उठाया कि सांसद मुख्य न्यायाधीश से कैसे मिल सकते हैं?

उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कुछ दिन पहले 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से संबंधित स्थायी समिति सुप्रीम कोर्ट से मिलने की कोशिश कर रही थी। उस समय भी शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत को लेकर सवाल उठाए गए थे। विधायिका, कार्य पालिका और न्यायपालिका अलग-अलग संस्थाएं हैं और उनके बीच इस अंतर का ध्यान रखा जाना चाहिए।

मेरठ का नीला ड्रम कांड: कातिल पत्नी और प्रेमी का बदलेगा ठिकाना; साहिल का होगा ये पता; मुस्कान होगी यहां शिफ्ट

वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने जिला अभियोजन अधिकारी को चारों की आर्थिक और मानसिक स्थिति का ब्योरा भेजा है। नीला ड्रम हत्याकांड में मुस्कान और साहिल को दोषी ठहराया जा चुका है। मुस्कान-साहिल को 14 अक्तूबर को सजा सुनाई जाएगी। वहीं, सांप कांड में रविता और अमरदीप को दोषी पाया गया है। दोनों को 16 अक्तूबर को सजा सुनाई जानी है। सजा को लेकर सभी दोषियों का डर सता रहा है। डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि सजा होने के बाद पुरुष कैदी को आगरा सेंट्रल जेल भेजा जाता है जबकि महिला कैदी को लखनऊ में नारी बंदी निकेतन भेजा जाता है।

सजा होने के बाद सभी उनकी रिपोर्ट लखनऊ भेजी जाएगी। जिसके बाद आगे इन दोषियों को जेल में शिफ्ट करने का काम किया जाएगा। वहीं दोषियों को सेंट्रल जेल तक शिफ्ट करने में एक साल तक का समय लग जाता है शास्त्री की कोठी के सामने रहने वाली मुस्कान रस्तौगी ने अपने प्रेमी रंजन वाली गली निवासी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की तीन मार्च 2025 की रात हत्या कर दी थी। दोनों आरोपियों ने सौरभ का सिर और कलाइयां काटकर नीले ड्रम में सीमेंट से चिन दिया था। इसके बाद दोनों घूमने के लिए हिमाचल चले गए थे।

मेरठ के नीले ड्रम कांड और सर्पदंश हत्याकांड के आरोपियों का ठिकाना बदल जाएगा। अभी मेरठ जेल में बंद आरोपी प्रेमी साहिल, अमरदीप सजा होने के बाद आगरा सेंट्रल जेल भेज दिए जाएंगे जबकि कातिल पत्नी मुस्कान और रविता लखनऊ नारी बंदी निकेतन में जाएगी। मेरठ के ब्रह्मपुरी के चर्चित नीले ड्रम वाला सौरभ हत्याकांड की आरोपी पत्नी मुस्कान और उसका प्रेमी साहिल शुक्ला को अदालत से दोषी करार दिया जा चुका है। इसके अलावा बहसूमा के अकबरपुर सादात के अमित कश्यप हत्याकांड में पत्नी रविता और उसका प्रेमी अमरदीप भी दोषी करार दिए जा चुके है। साहिल, अमरदीप सजा होने के बाद आगरा सेंट्रल जेल जाएंगे जबकि मुस्कान और रविता लखनऊ नारी बंदी निकेतन में जाएगी। हालांकि अभी करीब एक साल लगेगा, जब दोषी सेंट्रल जेल में जाएंगे। सेंट्रल जेल में दोषियों की संख्या ज्यादा है, इसलिए यहां से वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा लखनऊ शासन में रिपोर्ट भेजेंगे।

17 मार्च को मेरठ लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इसके साथ ही पुलिस ने नीले ड्रम से सौरभ के शरीर के टुकड़े भी बरामद किए थे। 18 मार्च 2025 को सौरभ के भाई इंद्रानगर निवासी बबलू ने इस संबंध में ब्रह्मपुरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।मुस्कान ने सौरभ से प्रेम विवाह किया था। इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश था। 19 मार्च को जब पुलिस दोनों को न्यायालय में पेश करने पहुंची तो आक्रोशित वकीलों ने साहिल की पिटाई कर दी थी।

दिल्ली मेट्रो मर्डर: 'थप्पड़ मारा और धक्का...', सीट को लेकर पूर्व आईएएस और वकील बेटे ने किया कत्ल; पूरी कहानी

आखिर राजधानी के लोगों को क्या हो रहा है, दिल्ली मेट्रो में सीट पर बैठने को लेकर खून बहा दिया। सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर सीनियर सिटीजन सीट पर बैठने को लेकर हुआ विवाद जानलेवा साबित हुआ। हिंसक मारपीट में 48 वर्षीय यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पूर्व आईएएस अफसर और उसके सुप्रीम कोर्ट में वकील बेटे को गिरफ्तार किया है। देश की राजधानी दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरक्षित सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद के बाद हाथापाई में 48 वर्षीय पवन शर्मा की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में नोएडा निवासी पिता पुत्र संजय प्रताप सिंह (65) और सिद्धार्थ सिंह (36) को गिरफ्तार किया है। दोनों को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। संजय प्रताप सिंह सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं वह पहले भी भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं, बेटा सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं। मेट्रो पुलिस के मुताबिक, घटना आठ अक्तूबर को शाम करीब 5:47 बजे प्लेटफॉर्म नंबर एक पर हुई। पवन अपनी मां दुर्गा देवी (65) के साथ यमुना विहार जा रहे थे। मंडी हाउस स्टेशन पर संजय और सिद्धार्थ ट्रेन में चढ़े। उस समय पवन और उनकी मां वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरक्षित सीटों पर बैठे थे। इसी बात पर विवाद हुआ, जो हाथापाई में बदल गया। पवन ट्रेन के फर्श पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट लगी। जिससे उनकी मौत हो गई।

यह था पूरा मामला
सुप्रीम कोर्ट मेट्रो थाना पुलिस ने सेक्टर 44, नोएडा, निवासी पिता-पुत्र संजय प्रताप सिंह (65) और सेक्टर 50, नोएडा निवासी सिद्धार्थ सिंह (36) गिरफ्तार कर लिया है। संजय प्रताप सिंह रिटायर आईएएस अफसर बताए जा रहे हैं।

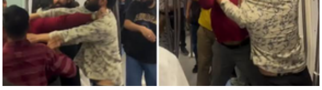

मेट्रो पुलिस उपायुक्त डाभी आनंद दिनेश ने बताया कि आठ अक्तूबर को शाम लगभग 5:47 बजे, सुप्रीम कोर्ट मेट्रो पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक व्यक्ति बेहोश हो गया है। बेहोश व्यक्ति को मां के साथ पहले ही लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया जा चुका था। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस अधिकारी को पता चला कि व्यक्ति पवन शर्मा (48) की मौत हो चुकी है।

शुरुआती जांच में पता चला कि मृतक अपनी मां, दुर्गा देवी (65) के साथ यमुना विहार की ओर यात्रा कर रहा था। मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पर संजय प्रताप सिंह और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह ट्रेन में चढ़े। उस समय, मृतक और उनकी मां सीनियर सिटिजन के लिए आरक्षित सीटों पर बैठे थे। सीनियर सिटिजन सीट को लेकर मृतक और दोनों आरोपियों के बीच विवाद हुआ, जो बाद में हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि संजय प्रताप सिंह और सिद्धार्थ सिंह ने पवन शर्मा की पिटाई की। उन्होंने पवन को थप्पड़ मारा और धक्का दिया गया। उन्होंने बताया कि मृतक की मां के बयान पर सुप्रीम कोर्ट मेट्रो पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं में 9 अक्तूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान, दो आरोपियों की भूमिका की जांच की गई। जांच में मिले सबूतों के आधार पर दोनों आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को अदालत के सामने पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मृतक पवन निजी क्षेत्र में काम करते थे।जांच में पुलिस विवाद की वास्तविक वजह, मारपीट के घटनाक्रम और सिर में लगी चोटों का पवन शर्मा की मौत से संबंध पता लगाने में जुटी है। घटना के समय ट्रेन में मौजूद यात्रियों और मेट्रो स्टाफ से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्यों की जांच कर रही है, ताकि दोनों आरोपियों की भूमिका और मौत की परिस्थितियों का स्पष्ट पता लगाया जा सके।

थप्पड़ मारा गया और धक्का दिया गया'

पुलिस ने कहा कि बहस के दौरान पवन शर्मा को कथित तौर पर आरोपियों ने थप्पड़ मारा गया और धक्का दिया गया, जिससे वे गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई। एफआईआर में कहा गया है कि मेट्रो कर्मचारी उन्हें एम्बुलेंस से लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

यूपी: प्रदेश के साठ हजार ग्राम प्रहरियों का बढ़ेगा

एक हजार रुपये का मानदेय, अब प्रतिमाह मिलेगी इतनी तनख्वाह

Salary of Village Guards: यूपी में रीब 60 हजार ग्राम प्रहरियों (ग्राम चौकीदार) का मासिक मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 रुपये करने जा रही है। मंगलवार को सीएम इसकी घोषणा करेंगे। प्रदेश सरकार करीब 60 हजार ग्राम प्रहरियों (ग्राम चौकीदार) का मासिक मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 रुपये करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 13 अक्तूबर को बरेली पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित करने के साथ इसकी घोषणा करेंगे। मानदेय में 40 प्रतिशत वृद्धि से हर ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। गृह विभाग से जुड़े ग्राम प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों, आपसी विवादों और कानून-व्यवस्था से संबंधित सूचनाएं पुलिस तक पहुंचाते हैं।वे लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे और राजधानी में कई दिनों से धरना दे रहे थे।सवा करोड़ लोगों की बढ़ेगी पेंशन सरकार वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांगजन पेंशन 1000 से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति के बाद नवंबर में प्रस्ताव कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इससे 67 लाख से अधिक बुजुर्गों, 42 लाख से अधिक निराश्रित महिलाओं और 12 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को लाभ मिल सकता है।

दिल्ली: जेएनयू के प्रोफेसर-सांसद अंगोमचा बिमोल पर एफआईआर,

भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन

छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों में घिरे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के बर्खास्त प्रोफेसर एवं कांग्रेस के लोकसभा सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। यह एफआईआर 11 अक्तूबर 2026 को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 75, 75(1)(i), 75(1)(iv) और 79 के तहत दर्ज की गई है। एफआईआर के विवरण में कांग्रेस के लोकसभा सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम का नाम शामिल है। इस मामले में जांच जारी है।बता दें कि अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर 11 छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। विश्वविद्यालय ने आंतरिक जांच के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया। विश्वविद्यालय की इंटरनल कमिटी (आईसी) की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। वहीं, प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजाम ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया था। कांग्रेस दफ्तर के बाहर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन वहीं, दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर के बाहर भाजपा महिला मोर्चा ने प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि कांग्रेस इस मामले पर चुप क्यों है। कांग्रेस सांसद पर गंभीर आरोप लगे हैं। कांग्रेस ने अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में हंगामा किया गया और उसके बाद गुमराह करने वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट फैलाए गए। पुलिस ने कहा कि जांच के तहत सौंपे गए वीडियो फुटेज की जांच की जा रही है।

वीजा नीतियों का असर: सपने छोड़ अमेरिका से स्वदेश लौट रहे भारतीय टेक पेशेवर

ट्रंप प्रशासन की सख्त वीजा नीतियों के कारण भारतीय नागरिक और पेशेवर अब स्वदेश का रुख कर रहे हैं। अगस्त 2026 में पूरे अमेरिका में 40,000 से अधिक मकानों के फॉरक्लोजर दर्ज किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 12.83 फीसदी अधिक है। अमेरिका में छंटनी , एच-1बी वीजा की कड़ी शर्तों, पीईआरएम-ग्रीन कार्ड प्रक्रिया के अचानक रोके जाने और कानूनी अनिश्चितताओं के बीच सैकड़ों भारतीय आईटी पेशेवर अपना अमेरिकी सपना पीछे छोड़कर भारत लौट रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर व आपातकालीन हो गई है कि कई टेक पेशेवर संपत्ति बेचने या समेटने का समय न मिलने के कारण अमेरिका में अपने घर, फर्नीचर और गाड़ियां तक छोड़कर या कबाड़ी के पास भेजकर रातों-रात भारत आ रहे हैं। हैदराबाद लौटे एक टेक पेशेवर ने मीडिया को बताया कि वीजा और नौकरी की अनिश्चितता के बीच मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा था

प्रॉपर्टी मार्केट और मार्गेज का संकट

कई भारतीय परिवारों ने अमेरिका में बड़े घर खरीदे थे। लेकिन अचानक नौकरी जाने या वीजा अवधि खत्म होने पर वे अपने घर बेच नहीं पाए। कुछ क्षेत्रों में रियल एस्टेट की कीमतें गिरने से घर की वैल्यू कम हो गई, जिससे उन्हें प्रॉपर्टी बेचना घाटे का सौदा लगा या समय ही नहीं मिला।

एच-1बी वीजा, ग्रीन कार्ड और जॉब मार्केट का दबाव

हाल ही में अमेरिकी प्रशासन द्वारा बड़ी आईटी कंपनियों और आउटसोर्सिंग फर्मों के लिए ग्रीन कार्ड स्पॉन्सरशिप प्रक्रिया पर रोक/समीक्षा लगाने से भारतीयों का इंतजार दशकों लंबा हो गया है। एच-1 बी वीजा पर नौकरी जाने के बाद केवल 60 दिनों के भीतर नई नौकरी खोजना अनिवार्य होता है।

अकेले टेक्सास राज्य में फॉरक्लोजर के 4,961 मामले सामने आए, जिसमें अगस्त 2026 में पिछले साल की तुलना में 43.46 फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हम वहां सिर्फ जी नहीं रहे थे, गुजारा कर रहे थे

भारत लौटे अधिकांश पेशेवरों का कहना है कि लगातार वीजा का डर, बढ़ती महंगाई, और अमेरिका में छंटनी का मानसिक तनाव इतना बढ़ गया था कि अब भारत में अपने परिवार के पास रहकर काम करना ज़्यादा सुरक्षित और शांतिपूर्ण लग रहा है।

भारत के टेक सेक्टर भी हुए पहले से बेहतर

भारत लौट रहे टेक पेशेवरों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था और टेक सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं। कई वापसी करने वाले इंजीनियर अब भारतीय टेक कंपनियों, स्टार्टअप्स या अमेरिका की ही भारत-स्थित जीसीसी में काम कर रहे हैं।

भारत क्यों आ रहे अमेरिका के सात शहरों के मेयर?

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के सात शहरों के मेयरों समेत 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 11 से 18 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर है। सीनेटर टीना ऑरवॉल के नेतृत्व में यह दल दिल्ली, भुवनेश्वर और मुंबई जाएगा। इस दल और कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है? इस पहले दौरे के लिए भारत के इन तीन शहरों को क्यों चुना गया? क्या इससे स्थानीय स्तर पर नई साझेदारी का रास्ता खुलेगा? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के सात शहरों के मेयर भारत के एक सप्ताह के दौरे पर आए हैं। इस 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य भारत और वॉशिंगटन राज्य के बीच संबंधों को मजबूत करना और लंबे समय तक चलने वाली साझेदारी को बढ़ावा देना है। यह इस तरह का पहला दौरा है। प्रतिनिधिमंडल 11 से 18 अक्तूबर तक भारत में रहेगा। इस दौरान दिल्ली, भुवनेश्वर और मुंबई का दौरा किया जाएगा। सवाल है कि इस यात्रा से दोनों पक्षों के बीच किस तरह के संबंध मजबूत करने की कोशिश होगी।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वॉशिंगटन राज्य की सीनेटर टीना ऑरवॉल कर रही हैं। दल ने रविवार को सिएटल से भारत के लिए यात्रा शुरू की। इस दौरे के तहत तीन भारतीय शहरों में जाने का कार्यक्रम है। हालांकि, यात्रा के दौरान किन विषयों पर बैठकें होंगी और क्या किसी समझौते की घोषणा की जाएगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य आपसी संपर्क बढ़ाना, सार्थक बातचीत करना और भविष्य के लिए साझेदारी के रास्ते तलाशना है।

कौन-कौन से शहरों के मेयर भारत आए हैं?

प्रतिनिधिमंडल में वॉशिंगटन राज्य के सात शहरों के मेयर शामिल हैं। इनमें केंट की डाना राल्फ, तुकविला के थॉमस मैकलियोड, इसाक्वा के मार्क मललेट, मुकिल्टियो के जोसेफ मरीन, ड्यूपॉन्ट के रोनाल्ड जे. फ्रेडरिक, यूनिवर्सिटी प्लेस के स्टेनली एल. के. फ्लेमिंग और सीटैक के मोहम्मद एगल शामिल हैं। ये सभी अपने-अपने शहरों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सात शहरों के प्रतिनिधियों का एक साथ भारत आना इस दौरे को खास बनाता है। इसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

मेयरों के अलावा प्रतिनिधिमंडल में कौन-कौन शामिल है?

12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में मेयरों के अलावा स्थानीय निकायों और आर्थिक विकास से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं। इनमें ड्यूपॉन्ट के काउंसिल सदस्य जुगल ठाकोर, यूनिवर्सिटी प्लेस की कार्यवाहक मेयर डेनिस मैकक्लस्की, केंट की काउंसिल सदस्य टोनी ट्राउटनर और केंट के आर्थिक विकास निदेशक कर्ट हैनसन शामिल हैं। इनकी मौजूदगी से स्थानीय प्रशासन और आर्थिक विकास से जुड़े अनुभवों को साझा करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इन विषयों पर होने वाली किसी खास बैठक का विवरण नहीं दिया गया है।

दिल्ली समेत किन तीन शहरों में जाएगा अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल?

प्रतिनिधिमंडल 11 से 18 अक्तूबर तक भारत में रहेगा। इस दौरान नई दिल्ली, भुवनेश्वर और मुंबई जाने का कार्यक्रम है। यह यात्रा रविवार को सिएटल से शुरू हुई। हालांकि, तीनों शहरों में पहुंचने की तारीख, बैठक का समय और भारतीय पक्ष के साथ होने वाले कार्यक्रमों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है। ऐसे में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रतिनिधिमंडल किस शहर में किन अधिकारियों से मुलाकात करेगा। फिलहाल तय कार्यक्रम में इन तीनों शहरों का दौरा शामिल है।

इस दौरे से भारत और वॉशिंगटन राज्य को क्या उम्मीद है?

सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का स्वागत किया है। उसने उम्मीद जताई कि यह दौरा भारत और वॉशिंगटन राज्य के बीच मजबूत संबंध बनाने, सार्थक बातचीत और लंबे समय तक चलने वाली साझेदारी को बढ़ावा देगा। यह पहल दोनों पक्षों को एक-दूसरे के अनुभव समझने का अवसर दे सकती है। हालांकि, यात्रा के दौरान किसी समझौते, निवेश या विशेष परियोजना की घोषणा की जानकारी नहीं दी गई है। दौरे का घोषित उद्देश्य आपसी संबंधों को मजबूत करना और भविष्य में सहयोग की संभावनाएं बढ़ाना है।

जेलेंस्की के लिए बढ़ी मुश्किलें?

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का एलान किया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने इस पहल का समर्थन किया है। हालांकि, रूस ने अब तक इस समझौते पर सहमति की पुष्टि नहीं की है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने रविवार को कई बिजली संयंत्रों पर हमले किए। ऐसे में सवाल है कि क्या पश्चिमी देशों के समर्थन के बावजूद रूस ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए तैयार होगा?

ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि रूस और यूक्रेन के बीच तत्काल प्रभाव से ऊर्जा सीजफायर लागू हो गया है। उन्होंने दावा किया कि दोनों पक्ष इस पर सहमत हैं। हालांकि, यूक्रेन को भी इस घोषणा की जानकारी अचानक मिली। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन सीजफायर का समर्थन करता है, लेकिन रूस को भी इसे स्वीकार करना होगा। रूस की ओर से सहमति की पुष्टि नहीं होने के कारण इस पहल को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

कनाडा और ब्रिटेन ने ट्रंप के प्रस्ताव पर क्या कहा?

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप से बातचीत के दौरान ऊर्जा सीजफायर का समर्थन किया। उन्होंने रूस से समझौते का पालन करने और ऊर्जा ढांचे तथा आम नागरिकों पर हमले तुरंत रोकने की अपील की। कार्नी ने यह भी कहा कि कनाडा अमेरिका को तेल और डीजल का निर्यात जारी रखेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा कि रूस ने सप्ताहांत में यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले तेज किए हैं। उनके मुताबिक, इन हमलों से आम नागरिक ठंड और अंधेरे में रहने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूस हमले रोकता है तो यूक्रेन सीजफायर के लिए तैयार है।

यूक्रेन के बिजली संयंत्रों पर हमलों को लेकर क्या आरोप लगे?

जेलेंस्की ने रविवार को आरोप लगाया कि रूस ने यूक्रेन के कई बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया। इनमें राजधानी कीव और खारकीव का एक-एक ऊर्जा संयंत्र शामिल है। इन हमलों से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के आसमान में पूरे दिन रूसी शाहेद ड्रोन उड़ते रहे। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण स्तर पर हमला शुरू करने के बाद से ऊर्जा ढांचे को लगातार निशाना बनाया है। इससे बिजली और हीटिंग की आपूर्ति में कमी आई है। यूक्रेन भी जवाबी कार्रवाई में रूस की तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाता रहा है। उसका कहना है कि इनसे रूस को युद्ध के लिए धन मिलता है।

रूसी डीजल सौदे पर ट्रंप और जेलेंस्की के बीच विवाद क्यों बढ़ा?

ऊर्जा सीजफायर के समर्थन के बीच रूस से डीजल खरीदने के अमेरिकी फैसले पर विवाद भी जारी है। ट्रंप ने सीजफायर की घोषणा से दो दिन पहले रूसी डीजल पर अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी ढील देने वाले सौदे का एलान किया था। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने इसका विरोध किया। जेलेंस्की ने इसे कमजोर फैसला बताया। कार्नी ने भी कहा कि यह सौदा यूरोप में शांति और स्थिरता स्थापित करने के प्रयासों के विपरीत है। सात अमेरिकी सीनेटरों, जिनमें चार रिपब्लिकन हैं, ने रविवार को इस सौदे को अवैध बताया। पश्चिम एशिया में युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के बाधित होने से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भी चिंता का विषय बनी हुई है।

ट्रंप ने जेलेंस्की के नेतृत्व पर क्या कहा और यूरोप ने कैसे दिया जवाब?

ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि यूक्रेन को नया राष्ट्रपति मिलना चाहिए, जो युद्ध खत्म कर सके। इसके जवाब में जेलेंस्की ने कहा कि देश का नेता कौन होगा, इसका फैसला यूक्रेन के लोग करेंगे। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने जेलेंस्की और यूक्रेन सरकार को समर्थन जारी रखने की बात कही। यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी यूक्रेन की स्वतंत्रता की लड़ाई में जेलेंस्की का समर्थन किया। कीव के कुछ नागरिकों ने भी ट्रंप की टिप्पणी पर चिंता जताई। उनका कहना था कि यूक्रेन के भविष्य का फैसला यूक्रेन के लोगों को ही करना चाहिए।

पुतिन की चुप्पी क्यों खतरनाक?

ऊर्जा सीजफायर की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब रूस और यूक्रेन के बीच हमले जारी रहने के आरोप लग रहे हैं। अमेरिका में अगले महीने होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ती कीमतें भी ट्रंप प्रशासन के लिए चिंता का विषय हैं। रूस से डीजल खरीदने के फैसले और ऊर्जा सीजफायर के समर्थन के बीच अमेरिकी नीति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या रूस ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सहमत होगा। जब तक मॉस्को की स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक इस घोषणा के जमीन पर लागू होने को लेकर अनिश्चितता बनी रहेगी।

लाइफ साइकिल फंड: लक्ष्य के हिसाब से बदलेगा निवेश

शेयरों का जोखिम कब घटेगा और क्या हैं इसके फायदे?

लाइफ साइकिल फंड क्या है?

यह एक ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड है, जिसे एक टारगेट ईयर को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाता है। इसमें ग्रोथ एसेट्स (इक्विटी) और अपेक्षाकृत रक्षात्मक एसेट्स (डेट) का मिश्रण होता है। जैसे-जैसे समय बीतता है, एक पूर्व-निर्धारित ग्लाइड पाथ इक्विटी को कम करता है और पोर्टफोलियो के रक्षात्मक वजन को बढ़ाता है।

टारगेट मैच्योरिटी फंड्स और एनपीएस से कैसे अलग है?

अक्सर लोग इसे दूसरी योजनाओं से मिला देते हैं, लेकिन फर्क साफ है। टारगेट मैच्योरिटी फंड मुख्य रूप से एक पैसिव डेट फंड होता है, जिसके बॉन्ड एक निश्चित वर्ष में परिपक्व होते हैं। वहीं, लाइफ साइकिल फंड एक मल्टी-एसेट (इक्विटी, डेट, सोना-चांदी आदि) समाधान है, जो समय के साथ खुद-ब-खुद एसेट एलोकेशन बदलता है।वहीं दूसरी ओर एनपीएस पूरी तरह से आपकी उम्र के आधार पर एसेट बदलता है और रिटायरमेंट पर केंद्रित होता है। इसके विपरीत, म्यूचुअल फंड का लाइफ साइकिल फंड आपकी उम्र पर नहीं, बल्कि आपके चुने हुए वित्तीय लक्ष्य के वर्ष (जैसे 2041 या 2050) पर काम करता है और इसे आप किसी भी लक्ष्य के लिए चुन सकते हैं।इस श्रेणी का सबसे दिलचस्प पहलू टैक्स से जुड़ा है। सिर्फ इसलिए कि सेबी इसके एक हिस्से को इक्विटी कहता है, यह स्वचालित रूप से टैक्स के लिहाज से शुद्ध इक्विटी फंड नहीं बन जाता। कई फंड्स अंतिम वर्षों में आर्बिट्रेज रणनीति का इस्तेमाल करके इक्विटी का कोटा बनाए रखते हैं, लेकिन फिर भी निवेश से पहले एएमसी से स्पष्ट टैक्स स्थिति की जानकारी जरूर ले लेनी चाहिए।सुनिश्चित करें कि आपका व्यक्तिगत वित्तीय लक्ष्य, फंड की मैच्योरिटी डेट से पूरी तरह मेल खाता हो।यदि आप 1 से 3 साल के भीतर पैसा निकालते हैं, तो एग्जिट लोड का नियम लागू हो सकता है। इसके अलावा, इनका टैक्स ट्रीटमेंट मानक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड नियमों के अनुसार ही होता है।

जब भी हम भविष्य के किसी बड़े वित्तीय लक्ष्य, जैसे बच्चों की उच्च शिक्षा, सपनों का घर या अपनी रिटायरमेंट के लिए निवेश करना शुरू करते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि पैसे कहां लगाएं?पारंपरिक तौर पर हम यह सोचते हैं कि कौन-सा शेयर या म्यूचुअल फंड खरीदें। लेकिन अब बाजार में एक नया और बिल्कुल अलग कॉन्सेप्ट आ चुका है, जो यह नहीं पूछता कि 'आप कौन-सा एसेट खरीदना चाहते हैं?', बल्कि यह पूछता है कि 'आपको पैसों की जरूरत कब पड़ेगी?' यहां बात हो रही है, लाइफ साइकिल फंड्स की।ओपन-एंडेड का मतलब है कि निवेशक आम तौर पर व्यावसायिक दिनों में खरीद और रिडीम कर सकते हैं। टारगेट ईयर का मतलब वह वर्ष है, जिसके आसपास लक्ष्य की उम्मीद है।

कैसे काम करता है ग्लाइड पाथ?

ग्लाइड पाथ समय के साथ एसेट एलोकेशन को बदलने का रोडमैप है। जब लक्ष्य बहुत दूर होता है, तो पोर्टफोलियो में शेयरों का हिस्सा ज्यादा रखा जाता है, ताकि तेजी से मुनाफा बन सके। लेकिन जैसे-जैसे टारगेट ईयर नजदीक आता है, फंड मैनेजर खुद-ब-खुद शेयरों से पैसा निकालकर सुरक्षित फिक्स्ड इनकम और अन्य विकल्पों में शिफ्ट करने लगता है।ये उन निवेशकों के लिए सबसे मुफीद हैं, जिनके पास स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य हैं, लेकिन जो खुद से बार-बार पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का समय या विशेषज्ञता नहीं रखते हैं। कार खरीदनी हो, डेस्टिनेशन वेडिंग करनी हो या रिटायरमेंट की प्लानिंग हो, आप अपनी डेडलाइन के हिसाब से ऐसा फंड चुन सकते हैं।

ब्याज दरें बढ़ने के बीच स्पेशल एफडी कितनी फायदेमंद? पांच लाख पर कितना लाभ; टैक्स के बाद क्या बचेगा?

स्पेशल एफडी तब अधिक कारगर होती है, जब पैसे को मैच्योरिटी तक निवेशित रखा जाए और टैक्स के बाद मिलने वाला अतिरिक्त रिटर्न सार्थक हो। पैसे की जरूरत पहले पड़ने पर, रेगुलर एफडी का लचीलापन स्पेशल-टेन्योर डिपॉजिट पर मिलने वाले प्रीमियम से कहीं अधिक बेहतर साबित हो सकता है। कानपुर में रहने वाले रमेश जब पिछले साल रिटायर हुए तो एकमुश्त बड़ी रकम हाथ आई। सुरक्षित और अच्छे रिटर्न के लिए सारा पैसा बैंक की 444 दिन वाली स्पेशल एफडी में लगा दिया। उन्हें लगा कि उन्होंने सबसे समझदारी का काम किया है। लेकिन अब जब आरबीआई ने 4 साल बाद न केवल ब्याज दर बढ़ाई है, बल्कि आगे भी और बढ़ोतरी का संकेत दिया है। तब रमेश अपने फैसले पर पछता रहे हैं। जब ब्याज दरें अभी और ऊपर जाने के रास्ते पर हैं, तब किसी स्पेशल एफडी में एक निश्चित अवधि के लिए पैसा बांध देना समझदारी नहीं है।5 लाख रुपये के निवेश पर टैक्स से पहले अतिरिक्त ब्याज केवल 1,293 रुपये बैठता है। यदि आप 30% के टैक्स स्लैब में आते हैं, तो यह अतिरिक्त रिटर्न घटकर मात्र 905 रुपये रह जाता है। इतने से मामूली फायदे के लिए अपने पैसों को लंबी अवधि के लिए फंसा देना क्या वाकई अक्लमंदी है?आपातकाल में एफडी तोड़ी तो और बड़ा झटका

स्पेशल एफडी की सबसे बड़ी कमजोरी उसका कम लचीलापन है। अगर आपको अचानक पैसों की जरूरत पड़ गई और आपने मैच्योरिटी से पहले एफडी तोड़ दी, तो बैंक न सिर्फ स्पेशल ब्याज दरें छीन लेता है, बल्कि कम अवधि की दर पर ब्याज देने के साथ-साथ पेनल्टी भी काटता है। कई बार तो समय से पहले तोड़ने पर आप रेगुलर एफडी से भी कम रिटर्न हाथ में लेकर लौटते हैं।क्या है एफडी में निवेश का रास्ता?

मौजूदा बढ़ती ब्याज दरों के माहौल में सबसे अचूक नुस्खा एफडी लैडरिंग का है। सारा पैसा एक साथ एक जगह फंसाने के बजाय, उसे अलग-अलग अवधियों की कई छोटी एफडी में बांट दें। इससे आपके पास समय-समय पर नकदी भी बनी रहेगी और जैसे-जैसे बाजार में ब्याज दरें बढ़ेंगी, आप उन नई और ऊंची दरों पर अपने पैसों को दोबारा निवेश कर सकेंगे।

लॉन्ग-टर्म पोर्टफोलियो में स्पेशल एफडी कितनी उपयोगी

एक स्पेशल एफडी तब उपयोगी होती है, जब उसकी मैच्योरिटी की तारीख ठीक उस समय से मेल खाती हो जब आपको पता हो कि आपको पैसों की जरूरत होगी। यह आपके कुल निवेश को सुरक्षा प्रदान करती है। हालांकि, केवल सबसे ऊंची दर के पीछे भागने के लिए बार-बार बैंक बदलना समझदारी नहीं है।

अब विदेशों से कम दालें मंगा रहा भारत: आयात 31% घटा और निर्यात भी बढ़ा; आखिर कैसे बदली तस्वीर?

देश में दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए?

सरकार ने 11 अक्तूबर 2025 को दालों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए नई योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत दालों की खेती का रकबा और पैदावार दोनों बढ़े हैं। वर्ष 2024-25 में दालों की खेती 277.20 लाख हेक्टेयर में हुई थी, जो 2025-26 में बढ़कर 286.46 लाख हेक्टेयर हो गई। वहीं, प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादन 926 किलोग्राम से बढ़कर 957 किलोग्राम हो गया। सरकार ने इस मिशन के लिए 11,440 करोड़ रुपये का बजट रखा है।

दालों के आत्मनिर्भरता मिशन के तहत कौन से कदम उठाए जा रहे हैं?

सरकार का लक्ष्य 2030-31 तक दालों का उत्पादन करीब 350 लाख टन तक पहुंचाना है। इसके लिए खेती की उत्पादकता बढ़ाना, बेहतर बीज उपलब्ध कराने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने पर जोर दिया जा रहा है। तूर, उड़द और मसूर पर जोर: इन प्रमुख दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि देश में इनकी उपलब्धता बढ़ सके।बेहतर और जलवायु के अनुकूल बीज: खेती में ऐसे बीजों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो बदलती जलवायु की परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन देने में सक्षम हों।

भारत में दालों का उत्पादन 2025-26 में बढ़कर 274.09 लाख टन हो गया, जबकि आयात का मूल्य 31.52 प्रतिशत घटकर 31,793.59 करोड़ रुपये रह गया है। दालों का निर्यात 13.4 प्रतिशत बढ़कर 969.53 मिलियन डॉलर पहुंचा। सरकार ने दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 11,440 करोड़ रुपये की योजना शुरू की है। लक्ष्य 2030-31 तक उत्पादन करीब 350 लाख टन और प्रति हेक्टेयर पैदावार 1,130 किलोग्राम करना है।

भारत में दालों का उत्पादन बढ़ने के साथ इनके आयात में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार के आत्मनिर्भरता मिशन के तहत 2025-26 में देश में दालों का कुल उत्पादन बढ़कर 274.09 लाख टन पहुंच गया। इससे पिछले साल यानी 2024-25 में यह 256.83 लाख टन था। सरकार की ओर से रविवार को जारी आधिकारिक तथ्यों के मुताबिक, दालों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई योजना का असर अब दिखाई देने लगा है। इस दौरान दालों के आयात का मूल्य भी 31.52 प्रतिशत घट गया।

दालों के आयात और निर्यात में कितना बदलाव आया?

दालों के आयात में गिरावट के साथ इनके निर्यात में भी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2024-25 में भारत ने 46,427.60 करोड़ रुपये की दालों का आयात किया था। 2025-26 में यह घटकर 31,793.59 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, दालों का निर्यात 13.4 प्रतिशत बढ़ा। इसका मूल्य 2024-25 के 855 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 969.53 मिलियन डॉलर हो गया। इस दौरान कुल 10.01 लाख टन दालों का निर्यात किया गया। भारत से दालों के प्रमुख खरीदार देशों में चीन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, अमेरिका और श्रीलंका शामिल हैं।

बीज वितरण का लक्ष्य: अगले छह वर्षों में 87.5 लाख बीज किट मुफ्त बांटने और 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित करने की योजना है।

489 जिलों में खेती पर ध्यान: उत्पादन बढ़ाने के लिए योजना को समूह आधारित तरीके से 489 जिलों में लागू किया जा रहा है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद: इच्छुक और पंजीकृत किसानों से तूर, उड़द और मसूर की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर एनसीसीएफ और नेफेड के माध्यम से की जा रही है।

उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य: सरकार का लक्ष्य 2030-31 तक प्रति हेक्टेयर पैदावार को 1,130 किलोग्राम तक पहुंचाना भी है।

प्रमुख उत्पादक राज्यों की भूमिका: मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल देश के प्रमुख दाल उत्पादक राज्यों में शामिल हैं।

सर्राफा बाजार: दिल्ली में चमका सोना-चांदी, डॉलर कमजोर होने से कीमतों में उछाल, जानिए आज के भाव

सोने की कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर का हालिया उच्च स्तर से नीचे आना है। इससे निवेशकों का रुझान कीमती धातुओं की ओर बढ़ा है। गौरव गर्ग के अनुसार, महंगाई की चिंताओं के बावजूद डॉलर की कमजोरी ने सोने को सहारा दिया। चांदी को भी कीमती धातुओं में व्यापक सुधार से फायदा हुआ। रुपये की कमजोरी ने भी आयातित वस्तुओं की घरेलू लागत बढ़ाकर कीमतों को प्रभावित किया। यह सब मिलकर सोने और चांदी की कीमतों में उछाल का कारण बना। प्रवीण सिंह के अनुसार, सोने के भाव में आगे सीमित दायरे में हल्की सकारात्मकता के साथ कारोबार होने की उम्मीद है।हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि धातु कच्चे तेल की कीमतों में अचानक होने वाली वृद्धि के प्रति संवेदनशील बनी हुई है।

दिल्ली में सोने का भाव 1,900 रुपये बढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ, जबकि चांदी 4,500 रुपये उछलकर 2.28 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से कीमती धातुओं को समर्थन मिला। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्ध सोना 1,900 रुपये उछलकर 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। गुरुवार को इसका बंद भाव 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी ने अपनी गिरावट का सिलसिला खत्म किया और 4,500 रुपये बढ़कर 2,28,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले, गुरुवार को चांदी 3,000 रुपये गिरी थी, जबकि सप्ताह के शुरुआती तीन सत्रों में यह स्थिर रही थी। ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म लेमन के शोध प्रमुख गौरव गर्ग ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से कीमती धातुओं को समर्थन मिला। उन्होंने यह भी कहा कि रुपये की लगातार कमजोरी से आयातित वस्तुओं की घरेलू लागत बढ़ रही है। इन ताजा उछाल से सोने ने पिछले दो सत्रों में 4,600 रुपये यानी 3.07 फीसदी की रिकवरी की है। घरेलू बाजार में चांदी ने भी 1,500 रुपये या करीब 1 फीसदी की भरपाई की।पश्चिम एशिया में अस्थिर और तनावपूर्ण स्थिति के कारण ऐसी कीमतें अक्सर बढ़ रही हैं।

द बोनस मार्केट अपडेट: बड़ी गिरावट के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने की दमदार शुरुआत

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने एक मजबूत शुरुआत की। सुबह 9:28 बजे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह शुरुआती तेजी निवेशकों के बीच सकारात्मक धारणा को दर्शाती है। सेंसेक्स, जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक है, 71,997.37 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इसमें 404.13 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो 0.56 फीसदी का उछाल है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी ने भी 22,363.55 पर कारोबार शुरू किया। इसमें 131.75 अंकों की बढ़त रही, जो 0.59 फीसदी की वृद्धि है।कल जिस शेयर बाजार में चौतरफा हाहाकार मचा था और निवेशकों के करीब 10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए थे, उसी बाजार ने आज (9 अक्तूबर 2026) सुबह एक नया मोड़ ले लिया है। दलाल स्ट्रीट पर आज सुबह से ही 'बुल्स' (तेजी लाने वाले) ने वापसी की कोशिश की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हरियाली टिक पाएगी या वैश्विक दबाव इसे फिर से लाल निशान में धकेल देगा

आज सुबह बाजार में क्या हलचल रही?

कल की भयंकर गिरावट के बाद आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 338 अंक उछलकर 71,930 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी करीब 91 अंक चढ़कर 22,323 के पार निकल गया। बाजार में यह बढ़त मुख्य रूप से 'शॉर्ट कवरिंग' यानी कल की भारी बिकवाली के बाद कम कीमतों पर हुई खरीदारी की वजह से आई है। आसान शब्दों में कहें तो जब बाजार बहुत ज्यादा गिर जाता है, तो कुछ समय के लिए उसमें एक प्राकृतिक सुधार या रिकवरी आती है, आज भी ठीक वैसा ही हो रहा है। इस मामूली रिकवरी की सबसे बड़ी वजह यह है कि कल की गिरावट के बाद भारतीय बाजार 'ओवरसोल्ड जोन' यानी जरूरत से ज्यादा बिकवाली के दायरे में आ गए थे। जब शेयर बहुत ज्यादा सस्ते हो जाते हैं, तो घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और ट्रेडर खरीदारी का मौका ढूंढने लगते हैं।

ऐश्वर्या राय: अमिताभ के जन्मदिन पर अभिनेत्री ने साझा की अनदेखी तस्वीर,

बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने देर रात सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बिग बी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस पर यूजर्स ने अभिनेत्री से कई सवाल किए। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने 11 अक्तूबर को अपना 84वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उनके फैंस, सेलेब्स और परिवार वालों ने उन्हें अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेता की बहू और बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने भी बिग बी के लिए आधी रात को पोस्ट किया। इस मौके पर ऐश्वर्या राय ने सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन और अपनी बेटी आराध्या बच्चन की एक अनदेखी तस्वीर साझा की और उनके लिए प्यार भरा मैसेज लिखा। एक्ट्रेस की इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने भी अपना रिएक्शन दिया और उनसे जया बच्चन को लेकर सवाल किए। ऐश्वर्या राय ने क्या किया पोस्ट? ऐश्वर्या ने जो तस्वीर शेयर की थी, उसमें अमिताभ ट्रैक सूट और कैप पहने आराध्या को गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस प्यारी तस्वीर में परिवार का एक खास पल देखने को मिला। ऐश्वर्या ने जन्मदिन पर अमिताभ के लिए प्यार और आशीर्वाद की कामना की। अभिनेत्री ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, प्यारे पा-दादाजी। हमेशा प्यार और भगवान का आशीर्वाद बना रहे।' बता दें कि ऐश्वर्या हर साल अमिताभ के जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर प्यार भरी पोस्ट साझा करती हैं। वह अक्सर अमिताभ और आराध्या की ही तस्वीरें भी शेयर करती हैं। यूजर्स ने ऐश्वर्या राय से क्या पूछे सवाल? इस पोस्ट पर कई लोगों ने अपना रिएक्शन दिया। कुछ ने लिखा कि उन्होंने आधी रात को पोस्ट क्यों किया, तो कुछ ने सवाल किया कि वह जया बच्चन को जन्मदिन की बधाई देते हुए पोस्ट क्यों नहीं करतीं। एक शख्स ने लिखा, 'अमिताभ को कभी ऐश्वर्या के जन्मदिन पर बधाई देते या पोस्ट करते नहीं देखा। वह हमेशा हर चीज को अच्छा दिखाने का प्रयास करती रहती है, भले ही ऐसा न हो।' अमिताभ और ऐश्वर्या का वर्कफ्रंट ऐश्वर्या राय फिलहाल फिल्मों से दूर हैं। उनकी आखिरी थिएटर रिलीज निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन: II' थी। वहीं, अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 18' को होस्ट कर रहे हैं।

टोबी मैग्वायर: पूर्व पत्नी की शादी में 'स्पाइडर मैन' अभिनेता बने पादरी,

लियोनार्डो समेत ये सितारे हुए शामिल जेनिफर मेयर और ज्योफ ओगुन्सलेसी ने शादी कर ली है। इस शादी की सबसे खास बात यह रही कि जेनिफर के एक्स हसबैंड और 'स्पाइडर-मैन' अभिनेता टोबी मैग्वायर ने ही शादी की रस्में कराईं।

हॉलीवुड की जानी-मानी ज्वेलरी डिजाइनर जेनिफर मेयर और बिजनेसमैन ज्योफ ओगुन्सलेसी की शादी इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। इस शादी में सबसे खास बात यह रही कि जेनिफर के एक्स-हसबैंड और 'स्पाइडर-मैन' अभिनेता टोबी मैग्वायर ने ही शादी की रस्में कराईं। तलाक के बाद जेनिफर ने की शादी पेज सिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिफर मेयर और उनके मंगेतर ज्योफ ओगुन्सलेसी ने पिछले वीकेंड हवाई के फोर सीजन्स रिजॉर्ट लानाई में आउटडोर सेरेमनी में शादी की। खास बात यह है कि यह शादी जेनिफर और टोबी के तलाक के कुछ ही हफ्तों बाद में ही हो गई। जेनिफर ने शादी में पहनी कौनसी ड्रेस? 49 साल की जेनिफर ने शादी में स्ट्रैपलेस गाउन पहना था। वहीं, ज्योफ ब्लैक सूट और बो टाई पहने हुए नजर आए। शादी की तस्वीरों में टोबी मैग्वायर फॉर्मल कपड़ों में पादरी बनकर सेरेमनी कराते दिखाई दिए। इस दौरान न्यूली वेड कपल ने फूलों से सजे मंडप के नीचे एक-दूसरे को किस भी किया।शादी में कौन-कौन हुआ शामिल? जेनिफर और ज्योफ की शादी में मनोरंजन और बिजनेस जगत की कई जानी-मानी हस्तियां भी शामिल हुईं। इसमें 'टाइटैनिक' स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो अपनी गर्लफ्रेंड और मॉडल विटोरिया सेरेटी के साथ पहुंचे। वहीं, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अपनी पत्नी लॉरेन सांचेज के साथ नजर आए। इनके अलावा एक्ट्रेस कोर्टनी कॉक्स, केट हडसन अपने मंगेतर डैनी फुजिकावा और स्टाइलिस्ट रेचल जो भी शादी में शामिल हुए। खास बात ये रही कि जेनिफर और टोबी के बच्चे 19 साल की रूबी मेयर मैग्वायर और 17 साल के ओटिस मेयर मैग्वायर भी इस शादी का हिस्सा बने। इसके अलावा न्यूली वेड कपल की बेटी भी परिवार के इस खास मौके पर मौजूद थी, जिसका जन्म मई 2026 में हुआ था।कितने साल चली टोबी और जेनिफर की शादी?गौरतलब है कि टोबी मैग्वायर और जेनिफर मेयर की शादी करीब नौ साल तक चली थी। दोनों ने अक्टूबर 2016 में अलग होने का ऐलान किया था। हालांकि, उनके तलाक की कानूनी प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई। पेज सिक्स के मुताबिक, कोर्ट के दस्तावेजों से पुष्टि हुई कि दोनों शादी आधिकारिक रूप से समाप्त हो चुकी है और दोनों कानूनी तौर पर सिंगल हैं। हालांकि, तलाक को 'बाइफर्केटेड' बताया गया है, जिसका इसका मतलब है कि तलाक के कुछ कानूनी पहलुओं पर फैसला हो चुका है, जबकि कुछ मामले अभी निपटाए जाने बाकी हैं। जेनिफर ने साल 2023 में ज्योफ ।

ध्रुव राठी: क्यों नहीं रिलीज हो रही सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'?

यूट्यूबर ने किया दावा, यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया हिरासत से रिहा किए जाने के बाद ध्रुव राठी ने सलमान खान की अपकमिंग फिल्म को लेकर सरकार पर एक इल्जाम लगाया है। इस पर यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यूट्यूबर ध्रुव राठी 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन में शामिल होने के बाद से चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने आरोप लगाया है कि राजनीतिक दबाव के कारण सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' की रिलीज पर असर पड़ रहा है। राठी का दावा है कि फिल्म की दोबारा शूटिंग इसलिए की गई क्योंकि सरकार नहीं चाहती थी कि फिल्म बनाने वाले चीन को नकारात्मक रूप में दिखाएं।फिल्म को लेकर क्या हैं ध्रुव राठी के इल्जाम? बीते कल दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म पर बात करते हुए राठी का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फिल्म के बारे में बात करते हुए राठी ने कहा 'सलमान खान की एक फिल्म आ रही थी, जिसमें चीन के खिलाफ कुछ बातें थीं। सरकार में इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह उस फिल्म को रिलीज होने दे। सलमान खान की फिल्म की पूरी रीशूटिंग करवाई गई और कहा गया, 'नहीं, नहीं, इसे चीन के पक्ष में बनाओ। हम उनके इतने खिलाफ नहीं जा सकते।' यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया राठी की बातों ने एक्स पर बहस छेड़ दी है। यूजर्स ने फिल्म में किए गए कथित बदलावों पर अपनी राय रखी है। इस क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, '

इंटरव्यू: हॉलीवुड की इस चीज के मुरीद हुए विद्युत,

स्ट्रगल से लेकर फिल्मी सफर पर की बात; इस मूवी में आएंगे नजर अभिनेता विद्युत जामवाल अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में वह मशहूर किरदार धालसिम की भूमिका में नजर आएंगे। इससे पहले एक्टर ने हॉलीवुड, अपने करियर समेत कई मुद्दों पर खुलकर बात की। जानिए उन्होंने क्या कहा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत में अभिनेता विद्युत जामवाल ने आने वाली फिल्म के किरदार, हॉलीवुड में काम करने के अनुभव, अनुशासन, एआई और अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की। सवाल: 'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम का किरदार ऑफर हुआ तो पहला विचार क्या था? यह जापानी वीडियो गेम पर आधारित है। धालसिम योगा मास्टर हैं और अपनी योगा की शक्तियों का इस्तेमाल लड़ने के लिए करते हैं। जवाब: मैं धालसिम के कैरेक्टर के बारे में जानता तो था ही। जब मुझे पता लगा कि 'स्ट्रीट फाइटर' की कास्टिंग हो रही है और इस सिलसिले में मुझे फोन किया गया, तो मुझे लग तो रहा था कि यही किरदार होगा। मैं काफी एक्साइटेड था।यह जापानी वीडियो गेम पर आधारित है। धालसिम योगा मास्टर हैं और अपनी योगा की शक्तियों का इस्तेमाल लड़ने के लिए करते हैं। डायरेक्टर ने बताया कि मुझे अपने बाल शेव करने पड़ेंगे। वैसे कैरेक्टर के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी, उन्होंने मास्क भी पहनाया था। सवाल: हमारे यहां योगी की एक अलग छवि है। धालसिम उससे बिल्कुल अलग है। इसे निभाते समय कोई कॉन्फ्लिक्ट था? जवाब: कोई कॉन्फ्लिक्ट नहीं था। जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं, वो सिर्फ फिलॉसफी की बातें करते हैं। अगर मैं आपको उदाहरण दूं, तो यह कैरेक्टर बोधिधर्मा की तरह है, जो हिंदुस्तान से चीन गए थे और जिन्होंने चीन में जेन फिलॉसफी शुरू की थी। बोधिधर्मा एक वारियर थे। उन्होंने लड़ना सिखाया है। ऐसा नहीं है कि योगियों के बारे में हम सिर्फ यही सोचें कि वो बर्फ में घुसते हैं या आग के अंदर तपस्या करते हैं। इस तरह के वारियर भी होते हैं। मैं इसलिए एक्साइटेड था, क्योंकि यही मैंने अपनी जिंदगी में किया है। मैंने कलरीपयट्टू की ट्रेनिंग ली है और मैं लोगों को सिखाता हूं। ये कैरेक्टर प्ले करना मेरे लिए खुशकिस्मती की बात थी। सवाल: हॉलीवुड में काम करने के अनुभव में सबसे अलग क्या लगा? जवाब: अधिकतर चीजें अलग ही हैं। वहां डिसिप्लिन के जो मायने हैं, वो बिल्कुल अलग हैं। वहां टाइम पर आना कोई बड़ी बात नहीं है। वहां टाइम पर ही आना होता है। सवाल: अलग-अलग देशों और क्षेत्रों से आए बड़े कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाब: ये वो लोग हैं, जिन्हें हिंदुस्तान से लोग इतनी अच्छी तरह से जानते हैं। कोई WWE में है, कोई K-pop म्यूजिक में है, कोई स्टैंडअप कॉमेडी में है। इन लोगों के साथ रहना, रोज शूट करना और फिर रातों को बातें करना बिल्कुल अलग अनुभव था। इनमें से कई लोग इंडिया आ चुके हैं, उनके इंडियन दोस्त भी हैं। लेकिन एक हिंदुस्तानी के साथ समय बिताना उनके लिए भी खास था। जिस तरह से मैंने अपने आप को रिप्रेजेंट किया, वो अनुभव भी खास था। सवाल: किरदार के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कितना करना पड़ा? जवाब: जब प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कास्टिंग कर रहे थे और उन्होंने हिंदुस्तान को देखा तो उन्होंने पूरी हिस्ट्री देखी कि किस आदमी ने अपनी लाइफ में इतना समय इस चीज में बिताया है। हर कैरेक्टर उन्होंने ऑथेंटिक लिया है, जो उनकी रियल लाइफ जैसी है। चाहे वो फिफ्टी सेंट हों, जेसन मोमोआ हों या कोडी रोड्स। सबको उन्होंने उनकी पर्सनालिटी के आधार पर लिया। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं। मुझे कोई अलग से ट्रांसफॉर्म नहीं करना पड़ा। बस मेरे किरदार के लिए बाल उड़ा दिए। (हंसते हुए) सवाल: प्रोस्थेटिक लुक तैयार करने में कितना वक्त लगता था? जवाब: वैसे, ये जितने भी एक्टर्स हैं हमारी फिल्म में, हर आदमी एक कैरेक्टर में है। उसका जो रूप है, वो वीडियो गेम के आधार पर है। हर आदमी को समय लगता था। हां, मुझे बाकियों से दो घंटे ज्यादा लगते थे। हर दिन तीन-चार घंटे प्रोस्थेटिक मेकअप के लिए लगते थे। मान लीजिए अगर सबका सुबह शूट का कॉल टाइम छह बजे होता था तो मैं चार बजे पहुंच जाता था। लेकिन मुझे कभी इस बात का दुख नहीं हुआ, बल्कि एक्साइटमेंट होती थी। सवाल: इंडिया को लेकर उनके नजरिए में ऐसी कौन-सी बात थी जो आपको खास लगी? जवाब: वो हिंदुस्तान के बारे में जितना जानते हैं और जो जानते हैं, वो हकीकत ही है। वो हिंदुस्तान को वैसे ही देखते हैं जैसा हम लोग देखते हैं। उनको पता है कि टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट इंडिया में किस लेवल पर है। एक समय ऐसा था जब अमेरिका को लगता था कि यहां अभी भी हाथी घूम रहे हैं, लेकिन वो बिल्कुल खत्म हो चुका है। हिंदी सिनेमा के बारे में वो लोग काफी जानते हैं। अधिकतर एक्टर्स के बारे में शायद नहीं जानते होंगे, लेकिन सिनेमा के बारे में उन्हें काफी जानकारी है।

यह कैसे मेल खाता है'? आठ साल छोटी इशिता की मां का रोल निभाने पर बोलीं श्रिया;

मेकर्स की तारीफ की श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' में इशिता दत्ता का मां किरदार निभाने पर अपनी बात रखी है। श्रिया, इशिता से सिर्फ 8 साल बड़ी हैं। अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की सफलता से खुश हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने नंदिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दत्ता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उनसे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजू सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमाघरों में चल रहा है। श्रिया ने इशिता की मां का रोल निभाने के बारे में बात की है। उम्र पर क्या बोलीं श्रिया न्यूज 18 से बातचीत में श्रिया ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में इशिता की मां का रोल निभाने पर अपने विचार रखे। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। अभिनेत्री ने कहा, 'हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है। मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी असरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं।'श्रिया ने क्यों की मेकर्स की तारीफ? अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि फ्रेंचाइजी में इशिता का किरदार 'अंजू' एक गोद ली हुई बच्ची का है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। बातचीत के दौरान उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की।इशिता के बारे में श्रेया ने क्या कहा? उन्होंने कहा, 'जब हमने 'दृश्यम' पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे! जब तक हमने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बातें करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बातें कर रहे थे।' उन्होंने अपनी को-स्टार को एक 'बेहतरीन मां' भी बताया।

दृश्यम 3' का कलेक्शन'दृश्यम: द कन्क्लूजन' दो अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने बॉक्स ऑफिस पर 62 करोड़ रुपये की जबरदस्त ओपनिंग की। इस क्राइम थ्रिलर ने दसवें दिन 22.50 करोड़ रुपये की कमाई की। अजय देवगन की यह फिल्म भारत में 300 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। दुनिया भर में इसकी कमाई 400 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है।

Aaj ka Rashifal 12 October

आज का राशिफल 12 अक्तूबर: तुला, मकर और कुंभ राशि वालों को मिल सकती है बड़ी सफलता, अटके काम पूरे होने के योग

12 अक्तूबर 2026 का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए कैसा रहने वाला है? जानें आज का दैनिक राशिफल और करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य व पारिवारिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण संकेत।

Rashifal 12 October 2026: 12 अक्तूबर 2026 का दिन आपके लिए कैसा रहने वाला है? क्या आज करियर में तरक्की के अवसर मिलेंगे, कारोबार में लाभ होगा या आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत पड़ेगी? ग्रह-नक्षत्रों की चाल का प्रभाव सभी 12 राशियों के जीवन पर अलग-अलग हो सकता है। कुछ राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मेष

आज का दिन आपके लिए समृद्धि, उत्साह और नई उम्मीदें लेकर आया है। जिम्मेदारियां कुछ बढ़ी हुई महसूस हो सकती हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मन में आ सकता है और आगे चलकर यही कदम लाभ का कारण बन सकता है। घर में मेहमानों के आने से रौनक बनी रहेगी। लंबे समय से दिल में संजोई कोई इच्छा पूरी होने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए मेहनत के साथ उपलब्धि मिलने का दिन है। नौकरीपेशा लोगों को बस एक बात का ध्यान रखना होगा। छोटी सी लापरवाही भी बड़ा असर डाल सकती है, इसलिए काम में पूरी सजगता रखें।

वृषभ

आज आपकी मेहनत को पहचान और सम्मान मिलने के योग बन रहे हैं। समाज में आपके अच्छे कार्यों की चर्चा होगी और आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। अनुभव और समझदारी के कारण आप कई कठिन परिस्थितियों को आसानी से संभाल लेंगे। छोटी यात्रा का योग बन सकता है और यह सफर केवल घूमने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसी लाभदायक अवसर का रास्ता भी खोल सकता है। किसी की बातों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। आपकी प्रतिभा और रचनात्मक सोच आज लोगों को प्रभावित करेगी और आपको एक अलग पहचान दिला सकती है।

मिथुन

आज आपको अपनी आय और खर्च के बीच बेहतर संतुलन बनाने की जरूरत है। आर्थिक मामलों को व्यवस्थित रखेंगे तो मन भी शांत रहेगा और परिस्थितियां भी आपके पक्ष में बनी रहेंगी। यात्रा या किसी खास मुलाकात के दौरान ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। कार्यक्षेत्र में कोई उलझन आए तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत होकर रास्ता निकालें। आज उठाया गया कोई नया कदम भविष्य की सफलता की नींव बन सकता है। पुरानी गलतियों से मिली सीख इस समय आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगी।

कर्क

आज का दिन आपको सफलता के साथ सावधानी का भी संदेश दे रहा है। कार्यक्षेत्र में कोई उपलब्धि मिलने की संभावना है, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर अतिरिक्त सतर्कता जरूरी रहेगी। धन कमाने के मामले में सही और स्पष्ट रास्ता अपनाना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। कोई ऐसा काम जो लगभग पूरा हो चुका था, अचानक अटक सकता है, लेकिन घबराने के बजाय धैर्य से काम लेंगे तो स्थिति संभल जाएगी। विदेश में पढ़ाई या करियर की योजना बना रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। साथ ही कोई पुराना लेन-देन समाप्त होने से आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की राहत महसूस होगी।

सिंह

आज धैर्य और समझदारी आपके सबसे मजबूत हथियार रहेंगे। परिवार में छोटी-मोटी परेशानियां मन को विचलित कर सकती हैं, लेकिन आप अपनी सूझबूझ से परिस्थितियों को संभाल लेंगे। किसी को कोई वादा करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह सोच लें। अधूरे कामों को टालते रहना आज आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी सावधानी रखें, खासकर किसी को उधार देने से पहले अच्छी तरह विचार करें। धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को शांति मिलेगी। अतीत की गलतियां आज आपको ऐसी सीख देंगी, जो आने वाले समय को बेहतर बनाने में काम आएगी।

कन्या

आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाने की सलाह है। जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। लंबे समय से अटका कोई सरकारी काम आगे बढ़ सकता है और इससे राहत मिलेगी। हालांकि कुछ काम आखिरी समय पर रुक सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। किसी नए व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करने के बजाय पहले उसे समझने की कोशिश करें। परिवार में किसी शुभ आयोजन की तैयारी से घर का माहौल खुशियों से भर सकता है। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को आज सम्मान, पहचान या किसी महत्वपूर्ण अवसर की प्राप्ति हो सकती है।

तुला

आज योजनाबद्ध तरीके से किया गया आपका हर प्रयास सफलता की ओर बढ़ेगा। रियल एस्टेट और संपत्ति से जुड़े लोगों के लिए समय लाभकारी रह सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप साहस के साथ महत्वपूर्ण निर्णय ले पाएंगे। सरकारी योजनाओं में किया गया निवेश लाभ दे सकता है, लेकिन आर्थिक फैसले सोच-समझकर ही लें। वाहन से जुड़ा कोई अचानक खर्च सामने आ सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। ससुराल पक्ष से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा और आपका दिन भी बेहतर हो जाएगा।

वृश्चिक

आज कुछ लोग आपके काम में रुकावट डालने या आपकी राह मुश्किल करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास और समझदारी उनके प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे। लंबे समय से चली आ रही किसी चिंता में धीरे-धीरे राहत मिल सकती है। संतान के भविष्य को लेकर मन में थोड़ी चिंता रहेगी, लेकिन जल्द ही सकारात्मक संकेत मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य में खासकर आंखों का ध्यान रखें। आर्थिक मामलों में भी सतर्क रहें और किसी भी लेन-देन में पूरी स्पष्टता रखें, ताकि बाद में किसी तरह की गलतफहमी न हो।

धनु

आज आपकी वाणी और आपका व्यवहार लोगों को विशेष रूप से प्रभावित करेगा। करियर में नए अवसर सामने आ सकते हैं और नई नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है। हालांकि खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, वरना बाद में आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचें। परिवार में प्रेम और आपसी एकता बनी रहेगी। घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में आ सकता है और भविष्य को लेकर बनाई गई योजनाएं अब धीरे-धीरे आकार लेने लगेंगी।

मकर

आज व्यापार और करियर दोनों के लिहाज से अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। आपके काम की सराहना होगी और आपकी पहचान भी मजबूत होगी। हालांकि किसी महत्वपूर्ण डील में आखिरी समय पर अड़चन आ सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। समय और धन का सही इस्तेमाल आज बहुत जरूरी रहेगा। अपने आसपास के लोगों को समझने और परखने में थोड़ी सावधानी रखें, क्योंकि हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति आपका हितैषी हो, यह जरूरी नहीं। परिवार से जुड़ी कोई खबर थोड़ी चिंता दे सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल लेंगे।

कुंभ

आज का दिन ऊर्जा, उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा लोगों का ध्यान खींचेगी और आपके काम की सराहना होगी। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और परिवार के साथ बिताए ये पल आपको लंबे समय तक याद रहेंगे। ऑनलाइन काम या डिजिटल माध्यम से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा रह सकता है। नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। व्यापार में अटकी हुई कोई डील पूरी होने से आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

मीन

आज खुशियां आपके दरवाजे पर दस्तक देती नजर आएंगी। दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार से हो सकती है और इसके बाद भी सकारात्मक घटनाएं आपका उत्साह बनाए रखेंगी। पिता के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है, लेकिन संयम और सम्मान से बात करेंगे तो स्थिति जल्दी सामान्य हो जाएगी। वैवाहिक जीवन में छोटी बातों को बेवजह बड़ा बनाने से बचें। यदि आपकी कोई गलती सामने आती है तो उसे स्वीकार करने में संकोच न करें। आपकी विनम्रता, सच्चाई और समझदारी आज रिश्तों में फिर से मिठास घोलने का काम करेगी।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: वृषभ, मिथुन और मीन राशि वालों के प्रेम जीवन में आएगी बहार, रिश्तों में बढ़ेगा विश्वास

Love Rashifal 12 October 2026: प्यार और रिश्तों के लिहाज से आज का दिन कैसा रहने वाला है? जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का लव राशिफल और अपने प्रेम जीवन, पार्टनर के साथ रिश्तों, आपसी तालमेल और वैवाहिक जीवन से जुड़े खास संकेत।

Love Rashifal 12 October 2026: प्यार, रोमांस और रिश्तों के लिहाज से 12 अक्टूबर का दिन आपके लिए क्या खास लेकर आया है? क्या आज आपके प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी या किसी छोटी-सी बात को लेकर पार्टनर के साथ मतभेद हो सकते हैं? ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, ग्रहों की स्थिति का प्रभाव व्यक्ति के प्रेम जीवन और आपसी संबंधों पर भी पड़ सकता है। कुछ राशि के जातकों के लिए पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने और रिश्ते को मजबूत बनाने के अवसर मिल सकते हैं जबकि कुछ लोगों को बातचीत में संयम रखने और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की जरूरत होगी। वहीं, शादीशुदा लोगों के लिए भी दिन कई तरह के संकेत लेकर आ सकता है। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल। यहां पढ़ें प्रेम जीवन, पार्टनर के साथ तालमेल, रोमांस, रिश्तों में आने वाली चुनौतियों और वैवाहिक जीवन से जुड़ी खास भविष्यवाणियां।

आज का अंक ज्योतिष: मूलांक 1, 8 और 9 वालों के लिए खुल सकते हैं तरक्की के रास्ते, मेहनत को मिलेगी पहचान

Ank Jyotish 12 October 2026: अंक ज्योतिष के अनुसार आज का दिन आपके लिए कैसा रहने वाला है? जानें मूलांक 1 से 9 तक के जातकों का दैनिक अंक ज्योतिष, शुभ अंक, शुभ रंग और करियर, धन, प्रेम व पारिवारिक जीवन से जुड़े खास संकेत।

Ank Jyotish 12 October 2026: अंक ज्योतिष के माध्यम से व्यक्ति अपने दिन से जुड़े संभावित बदलावों, अवसरों और चुनौतियों के बारे में जान सकता है। हर मूलांक का अपना अलग महत्व होता है और इसके आधार पर दैनिक जीवन से जुड़े कई संकेत समझे जाते हैं। 12 अक्तूबर 2026 का दिन मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए कैसा रह सकता है? किस मूलांक के लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, किसके लिए आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा और किन लोगों के प्रेम व पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए पढ़ें आज का दैनिक अंक ज्योतिष। यहां आप अपने मूलांक के अनुसार शुभ अंक, शुभ रंग और करियर, कारोबार, धन, स्वास्थ्य, प्रेम संबंधों व पारिवारिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण संकेत भी जान सकते हैं। अपने जन्म की तारीख के आधार पर मूलांक जानें और पढ़ें 12 अक्तूबर का अंक ज्योतिष भविष्यफल।

अंक 1

आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें और सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं और आपकी योजनाओं को गति मिलने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। हालांकि, दांपत्य जीवन में किसी बात को लेकर जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं।

साप्ताहिक लकी राशिफल: इस सप्ताह बनेगा लक्ष्मी नारायण योग, इन 5 राशियों को मिल सकता है बड़ा लाभ

साप्ताहिक राशिफल के अनुसार, 12 से 18 अक्तूबर 2026 के बीच लक्ष्मी नारायण योग और त्रिग्रही योग समेत कई शुभ योग बनेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन योगों से 5 राशियों को धन लाभ, निवेश और करियर में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

Weekly Lucky Zodiac Sign 12 To 18 October 2026: अक्तूबर का दूसरा सप्ताह कुछ राशियों के जातकों के लिए नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। इस दौरान नौकरी, कारोबार, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कुछ लोगों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं, जबकि कारोबार से जुड़े जातकों को नए संपर्कों और योजनाओं से लाभ मिलने की उम्मीद है।वैदिक ज्योतिष के अनुसार, 12 से 18 अक्तूबर 2026 के बीच ग्रहों की स्थिति कई राशियों के जीवन को प्रभावित कर सकती है। इस अवधि में सूर्य, बुध, शुक्र, मंगल, गुरु और चंद्रमा की चाल महत्वपूर्ण रहेगी। खासतौर पर कुछ विशेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अनुकूल रहने की संभावना है। इन राशियों के लोगों को कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने, आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने और रिश्तों में मधुरता लाने के अवसर मिल सकते हैं। आइए जानते हैं

बुध उदय से चमकेगा इन 4 राशियों का भाग्य, करियर में सफलता के साथ धनलाभ के भी योग

वैदिक ज्योतिष में बुध को बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार और करियर का कारक ग्रह माना जाता है। 11 नवंबर 2026 को बुध उदय होने जा रहे हैं, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिल सकता है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, बुध के उदय से मेष, कन्या, तुला और धनु राशि के जातकों को करियर में तरक्की और आर्थिक लाभ के अवसर मिल सकते हैं। वैदिक ज्योतिष में बुध को बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार, गणना और संचार का कारक ग्रह माना जाता है। इसलिए बुध की स्थिति में होने वाला बदलाव व्यक्ति के करियर, कारोबार, आर्थिक मामलों और निर्णय लेने की क्षमता पर प्रभाव डालने वाला माना जाता है। ज्योतिष में जब कोई ग्रह सूर्य के बहुत करीब पहुंच जाता है और उसकी दृश्यता समाप्त हो जाती है, तो उसे ग्रह का अस्त होना कहा जाता है। वहीं, सूर्य से पर्याप्त दूरी बनने के बाद जब ग्रह दोबारा दिखाई देने लगता है, तो इसे उसका उदय माना जाता है। बुध अब कुछ समय अस्त रहने के बाद दोबारा उदय होने जा रहे हैं। 11 नवंबर 2026 को सुबह 5:40 बजे बुध उदय होंगे। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, बुध के उदय होने से कुछ राशियों के जातकों को करियर में आगे बढ़ने, कारोबार में नए अवसर मिलने और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल सकते हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए बुध का उदय खास रहने वाला है।

11 नवंबर को उदय होंगे बुध

द्रिक पंचांग के अनुसार, बुध 25 अक्तूबर 2026 को शाम 6:31 बजे अस्त होंगे। इसके बाद करीब 17 दिनों तक अस्त अवस्था में रहने के बाद 11 नवंबर 2026 को सुबह 5:40 बजे बुध उदय होंगे।

भारत vs वेस्टइंडीज: तिलक का खास 'अर्धशतक'

रोहित-हार्दिक के क्लब में शामिल; कोहली को पीछे छोड़ने से 5 कदम दूर

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में तिलक वर्मा ने दो कैच लेकर अंतरराष्ट्रीय टी20 में अपने 50 कैच पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के पांचवें खिलाड़ी बने। इस सूची में रोहित शर्मा 65 कैच के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि विराट कोहली के 54 कैच हैं। भारत ने मुकाबला 14 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने 14 रन से जीत हासिल की। भारत ने 20 ओवर में 223 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी। इस मैच में तिलक वर्मा ने दो कैच लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में खास उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ वह रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या और विराट कोहली के खास क्लब में शामिल हो गए। दरअसल, वेस्टइंडीज की पारी के दौरान तिलक ने क्वेंटिन सैम्पसन और कीमो पॉल के कैच लिए। इन दो कैचों के साथ तिलक के टी20 अंतरराष्ट्रीय में 50 कैच भी पूरे हो गए। वो यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के पांचवें क्रिकेटर बने। उनसे पहले रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली यह मुकाम हासिल कर चुके हैं। रोहित के नाम 65, हार्दिक के नाम 64, सूर्यकुमार के नाम 58 और कोहली के नाम 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय कैच हैं। तिलक कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने से केवल पांच कैच दूर हैं। इतना ही नहीं, पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में कम से कम 50 कैच पकड़ने वाले 34 खिलाड़ियों में तिलक वर्मा का डिसमिसल्स पर इनिंग रेशियो 0.757 है। उनसे बेहतर अनुपात सिर्फ यूएई के मुहम्मद वसीम का है, जिनका अनुपात 0.767 है। इसका आसान मतलब है कि तिलक वर्मा हर पारी में औसतन 0.757 कैच लेते हैं, जबकि वसीम हर पारी में औसतन 0.767 कैच लेते हैं।

भारत vs वेस्टइंडीज: बाउंड्री समझकर चलने लगे तिलक वर्मा

भारत ने इंदौर में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों और अभिषेक शर्मा व ईशान किशन की बल्लेबाजी की तारीफ की। वहीं, शाई होप ने गेंदबाजी में गलतियों और भरोसेमंद सलामी साझेदारी की कमी को स्वीकार किया। भारत ने इंदौर में खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने जीत के बाद गेंदबाजों की तारीफ की, लेकिन साथ ही वेस्टइंडीज की पारी से जुड़े कुछ पहलुओं पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई। वहीं, वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने माना कि उनकी टीम को गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। उन्होंने अच्छी शुरुआत के लिए एक भरोसेमंद सलामी जोड़ी की जरूरत पर भी जोर दिया। श्रेयस अय्यर ने जीत का श्रेय भारतीय गेंदबाजों को देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी रणनीति को लेकर स्पष्टता दिखाई और चुनौती का डटकर सामना किया। उन्होंने कहा, 'यह शानदार था, क्योंकि गेंदबाजों को अच्छी तरह पता था कि उन्हें क्या करना है। उनकी रणनीति में स्पष्टता दिखाई दे रही थी। वे अपनी योजनाओं को लागू करने में पूरी तरह दृढ़ थे। जब भी मैंने किसी गेंदबाज को गेंद सौंपी, वह चुनौती के लिए तैयार था। एक कप्तान के तौर पर आप यही चाहते हैं।' अय्यर ने कहा कि वेस्टइंडीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी प्रक्रिया और नियमित योजनाओं पर टिके रहने की अहमियत भी समझाई। उनके मुताबिक, बड़े स्कोर वाले मैदान पर भी आक्रामक रवैया बनाए रखना और विरोधी टीम के खिलाफ ढिलाई नहीं बरतना जरूरी है। भारतीय कप्तान ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की पारियों की भी तारीफ की। अभिषेक ने 30 गेंदों पर 69 रन बनाए, जबकि ईशान ने केवल 18 गेंदों पर 37 रन की पारी खेली। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी कर भारतीय पारी को गति दी। अय्यर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह शानदार शुरुआत थी। अभिषेक ने पावरप्ले में वही किया, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। इसके बाद ईशान किशन ने भी बेहतरीन योगदान दिया। वह पिछले कुछ महीनों से अच्छा खेल रहा है। अंत में प्रिंस यादव की छोटी, लेकिन उपयोगी पारी भी अहम रही।' वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा कि उनकी टीम को गेंदबाजी करते समय अधिक सटीकता दिखानी चाहिए थी। उनके अनुसार, क्रिकेट में छोटे-छोटे अंतर नतीजे तय करते हैं और उनकी टीम ने कुछ मौकों पर अतिरिक्त रन खर्च किए। होप ने कहा, 'ऐसी कई चीजें हैं, जिन पर ध्यान दिया जा सकता है। क्रिकेट के मुकाबलों में अंतर बहुत कम होता है। गेंदबाजी में हम बेहतर तरीके से अपनी योजनाओं को लागू कर सकते थे और हमने कुछ अतिरिक्त चौके जाने दिए।' उन्होंने यह भी कहा कि अभिषेक और ईशान की साझेदारी खतरनाक थी, लेकिन रोस्टन चेज के जरिए विकेट मिलने के बाद वेस्टइंडीज ने वापसी की कोशिश की। होप के मुताबिक, टीम को पारी की शुरुआत में मजबूत आधार तैयार करने के लिए एक भरोसेमंद सलामी साझेदारी की जरूरत है।

भारत vs वेस्टइंडीज: बाउंड्री समझकर चलने लगे तिलक वर्मा

फिर कैसे उड़ गईं गिल्लियां? ऐसा रन आउट देख चौंक जाएंगे

भारत-वेस्टइंडीज तीसरे टी20 में तिलक वर्मा अजीबोगरीब तरीके से रन आउट हुए। अक्षर पटेल के शॉट को बाउंड्री समझकर तिलक धीमे पड़ गए, लेकिन फील्डर ने गेंद रोक ली थी। गुडाकेश मोती ने गिल्लियां बिखेरकर उन्हें 16 गेंदों पर 28 रन के स्कोर पर आउट किया। भारत ने 223 रन बनाने के बाद मुकाबला 14 रन से जीता और सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में तिलक वर्मा के साथ ऐसा रन आउट हुआ, जिसने मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों को भी चौंका दिया। अक्षर पटेल के शॉट को बाउंड्री समझकर तिलक पिच पर बेफिक्र होकर चलने लगे, लेकिन गेंद सीमा रेखा के पार नहीं गई थी। वेस्टइंडीज के गेंदबाज गुडाकेश मोती ने इस मौके का फायदा उठाते हुए गिल्लियां बिखेर दीं। तीसरे अंपायर के फैसले के बाद तिलक को 16 गेंदों पर 28 रन बनाकर पवेलियन लौटना पड़ा। यह घटना भारतीय पारी के 17वें ओवर में हुई, जब गुडाकेश मोती गेंदबाजी कर रहे थे। अक्षर पटेल ने गेंद को डीप मिडविकेट की दिशा में खेला। बाउंड्री के पास मौजूद वेस्टइंडीज के फील्डर ने डाइव लगाकर गेंद को सीमा रेखा पार करने से रोक दिया। हालांकि, अक्षर और तिलक को लगा कि फील्डर गेंद रोकने के प्रयास में बाउंड्री की रस्सी को छू गया है। ऐसे में दोनों बल्लेबाजों ने चौका मिलने की उम्मीद में दौड़ने की रफ्तार धीमी कर दी और आराम से अपने छोर की ओर बढ़ने लगे। उनकी यह धारणा गलत साबित हुई। अक्षर समय रहते अपनी क्रीज में पहुंच गए, जबकि मोती ने तिलक के लौटने से पहले ही स्टंप की गिल्लियां बिखेर दीं। इसके बाद तीसरे अंपायर से फैसला मांगा गया कि गेंद बाउंड्री के पार गई थी या नहीं। रीप्ले में साफ हुआ कि फील्डर ने गेंद को बाउंड्री से पहले ही रोक लिया था। इस तरह तिलक को अपना विकेट गंवाना पड़ा। तिलक का विकेट भारत के लिए अहम समय पर गिरा। उन्होंने 16 गेंदों पर 28 रन बनाए और अपनी छोटी पारी में टीम के स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाने में योगदान दिया। हालांकि, उनकी लापरवाही टीम को भारी पड़ सकती थी। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों पर 69 रन की तूफानी पारी खेलकर बड़े स्कोर की नींव रखी। भारतीय गेंदबाजों ने लक्ष्य का बचाव करते हुए वेस्टइंडीज को 14 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजों में आत्मविश्वास देखकर अच्छा लगा। उनसे बातचीत के दौरान उनकी योजनाओं में स्पष्टता दिखाई दे रही थी।

उज्जैन: महाकाल की शरण में भारतीय खिलाड़ी

भस्म आरती में शामिल हुए क्रिकेटर कुलदीप यादव और तिलक वर्मा

भारत की जीत के बाद क्रिकेटर तिलक वर्मा और कुलदीप यादव ने सोमवार सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के दर्शन कर आराधना की। इस दौरान हॉकी खिलाड़ी विवेक प्रसाद ने भी बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर आशीर्वाद लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच इंदौर में हुए मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर तिलक वर्मा और कुलदीप यादव सोमवार सुबह उज्जैन के प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचे। दोनों खिलाड़ियों ने अलौकिक प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। सोमवार तड़के करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे दोनों खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में बैठकर लगभग दो घंटे तक भस्म आरती के दर्शन किए। इस दौरान दोनों पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान महाकाल का नमन किया और महाकाल का जाप किया। आरती के बाद देहरी से आशीर्वाद लेकर पुजारियों के माध्यम से जल अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना भी की। बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे इन स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी मंदिर परिसर में मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। दोनों को अपने बीच पाकर प्रशंसकों में भारी उत्साह देखा गया और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। मंदिर समिति की ओर से खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान किया गया, वहीं पंडे-पुजारियों ने भी उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। भस्म आरती के दर्शन के बाद खिलाड़ियों ने इसे अपने लिए एक अत्यंत अलौकिक और ऊर्जावान अनुभव बताया। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मध्य प्रदेश के धार्मिक शहर उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए। दोनों क्रिकेटरों ने भगवान महाकाल की प्रसिद्ध भस्म आरती में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया और नंदी हॉल में बैठकर विशेष पूजा-अर्चना की।

भस्म आरती में हुए शामिल, पारंपरिक वेशभूषा में आए नजर

बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे कुलदीप यादव और तिलक वर्मा ने परंपरा का पालन करते हुए पारंपरिक भारतीय परिधान (धोती-कुर्ता) पहने हुए थे।

- भस्म आरती के दौरान दोनों खिलाड़ियों ने मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। मंदिर समिति की ओर से दोनों क्रिकेटरों का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें प्रसाद व भगवान की तस्वीर भेंट की गई। क्रिकेट के मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करने वाले इन दोनों खिलाड़ियों को अपने बीच पाकर उज्जैन के स्थानीय श्रद्धालुओं और मंदिर में मौजूद फैंस में खासा उत्साह देखने को मिला। सोशल मीडिया पर भी कुलदीप और तिलक वर्मा के महाकाल दर्शन की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिन्हें फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। पारंपरिक वेशभूषा: भस्म आरती के नियमों का पालन करते हुए कुलदीप यादव और तिलक वर्मा पूरी तरह पारंपरिक धोती और वस्त्रों में नजर आए, जिससे उनकी सादगी और भक्ति भाव साफ झलक रहा था।
- गर्भगृह और नंदी हॉल: दोनों खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में बैठकर मंत्रोच्चार के बीच ध्यान लगाया और आरती का पूरा आनंद लिया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में जाकर आशीर्वाद भी प्राप्त किया।
- जीत और सफलता की प्रार्थना: माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के हालिया बेहतरीन प्रदर्शन और आगे के मुकाबलों में सफलता की कामना के लिए दोनों खिलाड़ियों ने बाबा महाकाल के दरबार में यह हाजिरी लगाई।
- उज्जैन पहुँचे भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव और तिलक वर्मा
- श्री महाकालेश्वर मंदिर में की भस्म आरती, पारंपरिक लिबास में आए नजर

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
- सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज इंडिया' प्रेस से छपवाकर,
बी-9, त्यागी भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

भारत के 249 रन पर भारी पड़े होप-रदरफोर्ड:

WI के नाम टी20 का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज, संजू की मेहनत गई बेकार

शाई होप की नाबाद शतकीय और शेरफेन रदरफोर्ड की अर्धशतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 मुकाबले में भारत को छह विकेट से हरा दिया। रांची में भारत ने संजू सैमसन के अर्धशतक की बदौलत पांच विकेट पर 249 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट खोकर 252 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ मेहमान टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। संजू सैमसन की 82 रन की विस्फोटक पारी और श्रेयस अय्यर-तिलक वर्मा की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 249 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड की तूफानी पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को छह विकेट से हरा दिया। रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 250 रन का लक्ष्य 18.3 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज ने 252 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान शाई होप 45 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाकर लौटे, जबकि रदरफोर्ड ने 37 गेंदों में 84 रन की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी कर भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। लगातार चार पारियों में कम स्कोर बनाने के बाद सैमसन ने शानदार वापसी करते हुए 41 गेंदों में 82 रन बनाए। उनकी पारी में नौ चौके और चार छक्के शामिल रहे।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300